पॉकेट
में रखो!
एक सरल कार्य जो
पहाड़ों को बचाने में मदद करेगा।

पुस्तक परिचय

"**पॉकेट में रखो!**" एक चित्र पुस्तक है जो 5 से 10 साल के बच्चों को कचरा न फैलाने और पर्यावरण की देखभाल करने का महत्व सिखाती है। यह कहानी सीतू और उसकी दोस्त बिनिया की है, जो एक सुपरहीरो से अपने हिमालयी घर पर कचरे के बुरे प्रभाव के बारे में सीखते हैं। सुपरहीरो की मदद से, वे समझते हैं कि छोटे-छोटे कदम, जैसे कचरे को डस्टबिन मिलने तक अपनी जेब में रखना, प्रकृति की रक्षा में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

सीतू, ये 10 रुपये रखो। स्कूल जाते समय कुछ अच्छा सा खरीदकर खा लेना।
धन्यवाद, माँ! मैं कुछ स्वादिष्ट चीज़ लेकर खा लूंगी।

एक पैकेट चिप्स देना!

अरे सीतू, तुम क्या खा रही हो?
हेलो बिनिया, चिप्स हैं! खाओगी?
CHIPS

चलो जल्दी चलते हैं, स्कूल के लिए देर हो रही है!

आह! तुम कौन हो?!
डरो मत! मैं भी तुम्हारी तरह एक छात्र हूँ, लेकिन मेरे पास जादुई शक्तियाँ हैं जो मुझे अच्छे काम करने में मदद करती हैं।

मेरे साथ आओ।
मैं तुम्हें कुछ ज़रूरी दिखाना चाहता हूँ।

ओह! यहाँ इतनी बदबू क्यों है?
ये जगह क्या है?
ये वही जगह है जहाँ सारा कचरा लाया जाता है,
जब लोग उसे यहाँ-वहाँ फेंक देते हैं।

वहाँ देखो! नदी आगे बह भी नहीं पा रही!
अरे नहीं!
यह तो बहुत दुखद है!
मछलियाँ कैसे साँस लेंगी?

ये कचरा हमारे घर को नुकसान पहुँचाता है।
जो पानी हम पीते हैं और जिस हवा में हम सांस लेते हैं,
उन्हें भी खराब करता है। देखो वो गाय!
वह प्लास्टिक खा रही है क्योंकि लोग लापरवाही करते हैं।
यह सब बहुत दुखद है...
हमें नहीं पता था कि हमारी
हरकतों से प्रकृति को इतना नुकसान होता है।

मैं तुम्हें अपनी शक्तियाँ दे रहा हूँ ताकि तुम हमारी पहाड़ियों को साफ रखने में मदद कर सको। लेकिन याद रखना, असली शक्ति सही फैसले लेने से आती है।
चलो वापस चलते हैं! मुझे अपनी गलती सुधारनी है।

POTATO CHIPS
मैं अब से कभी कचरा इधर-उधर नहीं फेंकूंगी।
इसे डस्टबिन मिलने तक अपनी जेब में ही रखूंगी।
मैं भी! हम दूसरों को भी ये बात बताएँगे!

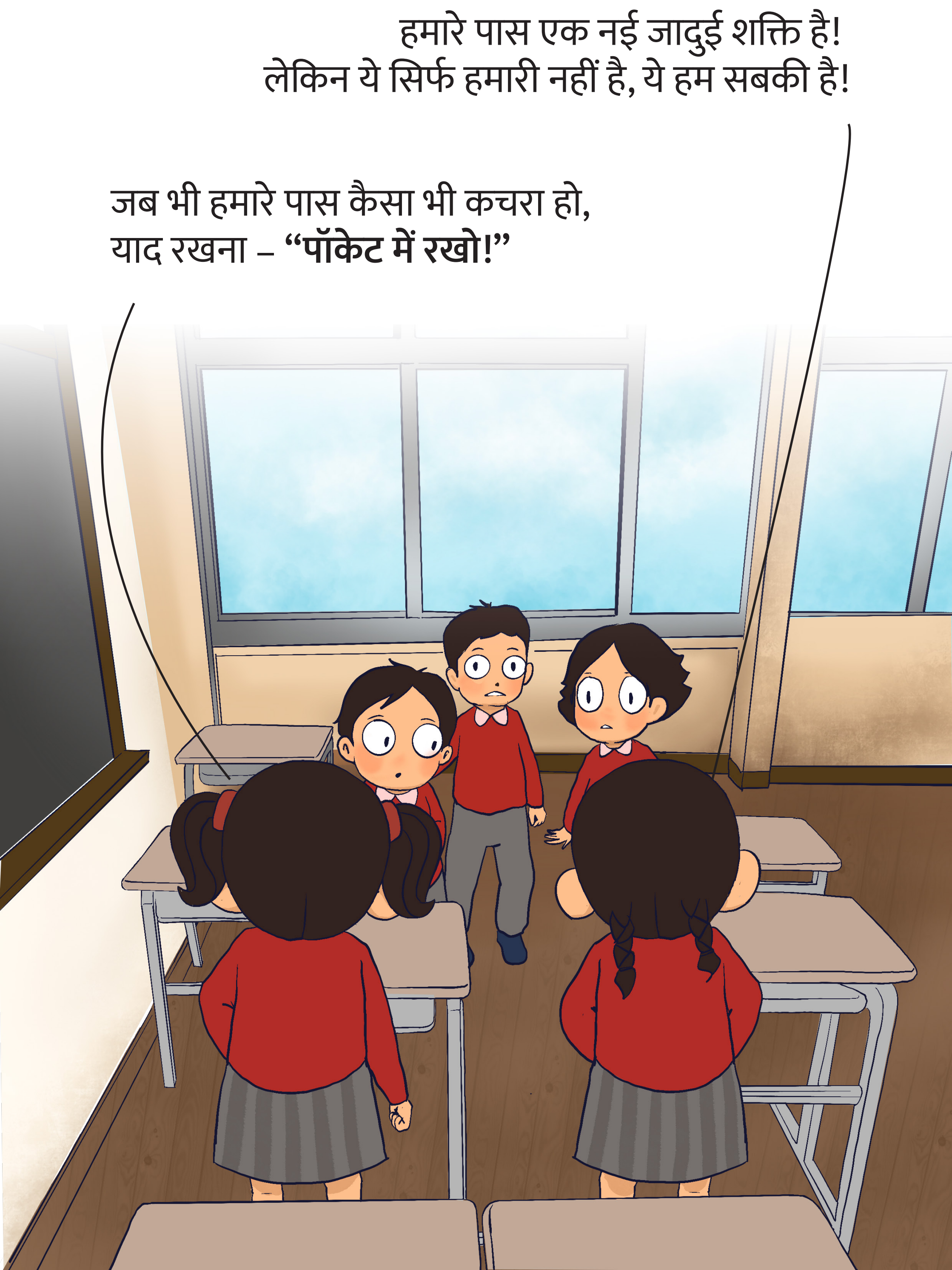
हमारे पास एक नई जादुई शक्ति है!
लेकिन ये सिर्फ हमारी नहीं है, ये हम सबकी है!
जब भी हमारे पास कैसा भी कचरा हो,
याद रखना – **“पॉकेट में रखो!”**

अब तुम सब पर्यावरण
रक्षक हो! याद रखना,
“पॉकेट में रखो!”
और इन खूबसूरत पहाड़ों की रक्षा करो!

यह पुस्तक "पॉकेट में रखो!" एक उत्साही टीम के सामूहिक प्रयास का परिणाम है, जो पर्यावरणीय जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए समर्पित है।

चित्रांकन: **उर्वशी**
कहानी और विचार: **अर्चना मसीह**
संपादन: **अंगद**
विशेष धन्यवाद:
उन सभी बच्चों और शिक्षकों को, जिन्होंने इस कहानी को प्रेरित किया। हिमालय की सुंदर वादियों को, जो हमें प्रकृति की रक्षा के महत्व की याद दिलाती हैं।